DR. BHIM RAO AMBEDKAR COLLEGE
(University of Delhi)

Main Wazirabad Road, Yamuna Vihar, Delhi-110094, Phones: 22814126, Telefax: 22814747
Email: info@drbrambedkarcollege.ac.in; brambedkarcollege.du@gmail.com;
principal@drbrambedkarcollege.ac.in; Website: www.drbrambedkarcollege.ac.in

Ref.No. BRAC/OP/2019-20/ Dated: 14.06.2019

प्रेस विज्ञप्ति

डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज ने कराया डीयू एडमिशन को लेकर खुला सत्र

डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज में ओपन सेशन का आयोजन

दिल्ली विश्वविद्यालय में नामांकन से जुड़े विविध पहलुओं पर जानकारी देने हेतु डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज ने खुला सत्र (ओपन सेशन) का आयोजन किया. इस सत्र में विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों के एक समूह ने नामांकन, करिअर के अवसर एवं सुविधाओं से संबंधित विषयों पर छात्रों एवं अभिभावकों के सवालों के जवाब एवं उचित परामर्श दिए. इस सत्र में विषय से संबंधित विषयों के अलावा देशभर से आए तकरीबन ढाई सौ छात्रों, अभिभावकों एवं कॉलेज के शिक्षकों ने भाग लिया. कार्यक्रम संयोजक डॉ. सरला भारद्वाज ने कार्यक्रम की रूप-रेखा सामने रखते हुए सभी आगंतुकों का स्वागत किया.

कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत करते हुए कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. जी. के. अरोड़ा ने कहा कि ओपन सेशन आयोजित करने के पीछे का उद्देश्य देशभर से आए छात्रों एवं अभिभावकों को विशेषज्ञों की ओर से वो सारे सुझाव एवं जानकारी उपलब्ध कराना है जिससे कि उन्हें इस कॉलेज के साथ-साथ दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी कॉलेज में नामांकन कराने, पाठ्यक्रम चयन एवं करिअर संबंधी फैसले लेने में सहूलियत हो सके. उन्होंने जोर देकर कहा कि इस सत्र के जरिए हमारी कोशिश रहेगी कि आगंतुक छात्र एवं उनके अभिभावक न केवल इस कॉलेज में नामांकन संबंधी जानकारी हासिल कर सकें बल्कि पाठ्यक्रम, करिअर, विविध प्रतियोगिताओं को लेकर उनके मन में जो दुविधाएं हैं, वो भी काफी हद तक दूर हो.

प्रिंसिपल के संबोधन के बाद इस खुले सत्र में शामिल छात्रों एवं अभिभावकों ने पाठ्यक्रम के विकल्प, ओबीसी सर्टिफिकेट, इकॉनमिक वीकर सेक्शन सर्टिफिकेट, पाठ्यक्रम में आवेदन करने के प्रावधान, वोकेशनल कोर्सेस आदि को लेकर सवाल किए. विशेषज्ञों के समूह ने इन सवालों का एक-एक करके जवाब दिया.

देशबंधु कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल एवं शिक्षाविद् डॉ. अजय अरोड़ा का मानना है कि छात्रों को चाहिए कि वो किसी भी कॉलेज में नामांकन कराते वक्त पाठ्यक्रम को प्राथमिकता दें, दूसरे किसी भी कारक को नहीं. हां यह जरूर है कि महिला छात्र जिनके साथ नामांकन के बाद घरेलू स्तर पर कॉलेज नियमित आ पाने में समस्या होने लग जाती हैं वो कॉलेज से घर की दूरा, ट्रांसपोर्ट सुविधा, सुरक्षा आदि मसले को भी ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम का चयन करें.

दिल्ली विश्वविद्यालय के रसायनशास्त्र के प्रोफेसर और डीयू ऑनलाइन आवेदन की पूरी प्रक्रिया को अंजाम देनेवाले जे.एम. खुराना ने विश्वविद्यालय की ओर से दी जानेवाली सुविधाएं, प्रावधान एवं छात्र समस्या के निबटारे हेतु केन्द्रों की विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि छात्रों को चाहिए कि पाठ्यक्रम का चुनाव करते हुए वो अपनी अभिरूचि को प्राथमिकता दें, किसी भी तरह के दवाब में एडमिशन न

लें. डीयू के रेगुलर कोर्स के अलावा स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) और खासकर छात्राओं के लिए नॉन कॉलेजिएट बेहतर विकल्प हो सकते हैं.

छात्रों के सवालों का जवाब देते हुए विश्वविद्यालय कार्यकारी परिषद्(ईसी) के सदस्य रहे प्रो. ए. के. भागी ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में नामांकन पूरी तरह छात्रों की प्रतिभा और प्राप्तांक पर आधारित है. चूंकि आवेदन की प्रक्रिया ऑनलाइन है, ऐसे में आवेदक जरूरत के अनुसार संशोधन भी कर सकते हैं. इसके लिए किसी भी तरह के बिचौलिए एवं लेन-देन के जरिए नामांकन कराने की बात करनेवाले के बहकावे में न आएं. किसी भी तरह की समस्या होने की स्थिति में कॉलेज एवं विश्वविद्यालय की ग्रिएवांस कमेटी से संपर्क करना सबसे बेहतर विकल्प है.

दिल्ली विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केन्द्र प्रमुख एवं डूटा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. श्रीराम ओबरॉय ने कहा कि किसी कारणवश या बारहवीं में कम अंक आने पर छात्रों को निराश होने के बजाय दूसरे-तीसरे विकल्प की ओर भी ध्यान देना चाहिए. वो चाहें तो डाइट, टूरिज्म, विदेशी भाषा आदि जैसे पाठ्यक्रम में भी अपना भविष्य देख सकते हैं. उन्होंने ऑनर्स के साथ-साथ प्रोफेशनल कोर्स में संभावना देखे जाने पर जोर दिया.

कार्यक्रम के अंत में इस खुले सत्र में शामिल छात्रों से फीडबैक फॉर्म भरवाए गए जिससे कि कॉलेज के शिक्षकों एवं छात्रों को अंदाजा लग सके कि आनेवाले समय में इसे और किन-किन स्तर पर बेहतर किया जा सकता है. कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. नलिन कुमार ने छात्रों एवं अभिभावकों का विशेष तौर पर शुक्रिया अदा करते हुए उनसे अपील की कि वो यहां से प्राप्त सूचना एवं सलाह को आगे बढ़ाएं. कार्यक्रम का औपचारिक समापन एवं धन्यवाद ज्ञापन करते हुए डॉ. एस.एस. चावला ने कहा कि छात्र का भविष्य बनाने में यदि कॉलेज की भूमिका होती है तो किसी भी कॉलेज का भविष्य उसके छात्रों पर निर्भर करता है. हमें इंतजार है कि आनेवाले छात्र इस दिशा में पूरे जोश से इस दिशा में सक्रिय होंगे.

मीडिया प्रभारी